News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-292
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार, सोमवार, 27 जनवरी 2025

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

परेशानिया आये तो सब्र से काम ले जल्दबाज़ी में अक्सर फ़ैसले ग़लत होते है।

पारस के नेता गोली चलाने का लगाया आरोप

पटना में ई-रिक्शा और RLJP नेता की गाड़ी की टक्कर के बाद बवाल

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

पटना, राजधानी पटना में आज उस वक्त बवाल हो गया जब राष्ट्रीय लोजपा के नेता की गाड़ी की टक्कर एक ई-रिक्शा से हो गई। एक तरफ जहां पारस के नेता ने जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है तो वहीं दूसरी तरफ ई-रिक्शा चालक का कहना था कि साइड लेने के दौरान उसकी ई-रिक्शा राष्ट्रीय लोजपा नेता की गाड़ी से सट गई, जिसके बाद उसके साथ मारपीट की गई है।

दरअसल, पूरा मामला पटना के कृष्णापुरी थाना क्षेत्र की है, जहां राष्ट्रीय लोजपा के प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल की गाड़ी की टक्कर सड़क से गुजर रहे ई-रिक्शा से हो गई। इस घटना के बाद भारी बवाल हो गया। दोनों पक्ष के लोग बीच सड़क पर आपस में भिड़ गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से मामले को रफा-दफा किया। पुलिस ने ई-रिक्शा चालक रिजवान को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है।

लोजपा प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि उनके ऊपर जानलेवा हमला किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके ऊपर फायरिंग की गई और उनकी गाड़ी में आग लगाकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा है कि जानकारी देने के बावजूद पुलिस काफी देर से घटनास्थल पर पहुंची। श्रवण अग्रवाल का कहना था कि उन्हें भद्दी-भद्दी गालियां दी गई है।

उधर, पुलिस की गिरफ्त में आए ई-रिक्शा चालक रिजवान की मानें तो वह बोरिंग रोड से सामान लेकर राजापुर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान लोजपा नेता श्रवण अग्रवाल रॉन्ग साइड से गाड़ी लेकर आ रहे थे, तभी ई-रिक्शा उनकी गाड़ी से सट गई। इसके बाद उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। गाड़ी में श्रवण अग्रवाल के साथ चार और लोग सवार थे। माफी मांगने के बावजूद उनलोगों ने न सिर्फ मारपीट की बल्कि उसकी ई-रिक्शा को भी तोड़ दिया।

DM ने जारी किया आदेश जान लीजिए.. टाइमिंग

कल से खुल जाएंगे पटना के सभी स्कूल

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

पटना, ठंड के कारण पिछले कई दिनों से बंद पटना के सभी स्कूल कल यानी 27 जनवरी से खुल जाएंगे। पटना डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने इसको लेकर आदेश जारी कर दिया है। सभी निजी और सरकारी स्कूलों में सभी कक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक संचालित की जाएंगी। यह आदेश 31 जनवरी तर प्रभावी रहेगा।

दरअसल, बिहार में बढ़ते ठंड को देखते हुए राजधानी पटना में 8वीं तक के सभी स्कूलों को 25 जनवरी तक बंद करने का आदेश जारी किया गया था। 8वीं कक्षा के ऊपर की सभी कक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक संचालित करने का निर्देश जारी किया गया था। पटना जिला प्रशासन ने बीते 23 जनवरी को यह आदेश जारी किया था।

अब ठंड में कमी होने के कारण एक बार फिर से पटना डीएम ने स्कूलों को 26 जनवरी से खोलने का आदेश जारी कर दिया है। 26 जनवरी को स्कूलों में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित किए गए उसके बाद स्कूलों की छुट्टी कर दी गई लेकिन कल यानी 27 जनवरी से सभी निजी और सरकारी स्कूलों में सभी कक्षाएं संचालित की जाएंगी। सभी कक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक की संचालित करने का निर्देश जिला प्रशासन की तरफ से जारी किया गया है।

पटना जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि, जिले में अत्यधिक ठंड का मौसम और कम तापमान की स्थिति बनी हुयी है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। अतः इस कार्यालय के आदेश ज्ञापांक 981, दिनांक 23.01.2025 के क्रम में मैं, डॉ0 चन्द्रशेखर सिंह, जिला दण्डाधिकारी, पटना, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत पटना जिला के सभी निजी / सरकारी विद्यालयों (प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्रों सहित) में सभी कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्वाह्न 09ः00 बजे से पहले एवं अपराह्न 03ः30 बजे के पश्चात् प्रतिबंध लगाता हूँ। विद्यालय प्रबंधन को एतद् द्वारा निर्देश दिया जाता है कि वे उल्लिखित आदेश के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियाँ को पुनर्निधारित करेंगे। प्री-बोर्ड/बोर्ड की परीक्षा हेतु संचालित किये जाने वाली विशेष कक्षाओं / परीक्षाओं का संचालन इससे मुक्त रहेगा। उपर्युक्त आदेश पटना जिले में दिनांक 26.01.2025 से लागू होगा एवं दिनांक 31.01.2025 तक प्रभावी रहेगा। यह आदेश दिनांक 26.01.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से निर्गत किया गया।

गणतंत्र दिवस पर आयोजित घुड़दौड़ के दौरान बवाल

पटना के युवक की गोली मारकर की हत्या

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

पटना, गणतंत्र दिवस के मौके पर वैशाली के राघोंपुर में आयोजित घोड़ा दौड़ के दौरान विवाद के बाद एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक पटना से घोड़ा रेस देखने के लिए राघोपुर गया था। घोड़ा दौड़ के बीच गोली चलने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मृतक की पहचान पटना के मालसलामी थाना क्षेत्र के रहने वाले अभिपंजन पटेल के 21 वर्षीय बेटे अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गणतंत्र दिवस के मौके पर राघोपुर के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र में घोड़ा रेस का आयोजन किया गया था, जिसे देखने के लिए अभिषेक पटना से राघोपुर पहुंचा था। इसी दौरान अभिषेक का किसी युवक के साथ विवाद हो गया और बदमाशों ने उसे गोली मार दी।

वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। खून से लखपथ युवक क इलाज के लिए फतेहपुर स्थित पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस द्वारा घटना की जानकारी दिए जाने के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल हत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस पूरे मामले के छानबीन में जुटी है और आरोपी का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पटना के गांधी मैदान में मुख्य समारोह

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने किया झंडोत्तोलन

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

पटना, 76वें गणतंत्र दिवस पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जहां बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने झंडोत्तोलन किया. उन्होंने मार्च पास्ट की सलामी ली और पुरस्कार और शौर्य प्रशंसा पत्र का वितरण भी किया. राज्यपाल ने इस मौके

पर राज्यवासियों को संबोधित करते हुए अभिभाषण दिया. इस दौरान अलग-अलग विभागों की ओर से झांकियों का भी प्रदर्शन किया गया. गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए. इस मौके पर आरिफ मोहम्मद खान ने राज्यवासियों को भारतीय गणतंत्र की बधाई और शुभकामनाएं दी. उन्होंने लोगों से शांति, सदभाव और एकजुटता के साथ रहने की अपील की.

सिवान में फिर कथित जहरीली शराब का कहर, एक की मौत

एक की आंखों की रोशनी हुई कम, हालत गंभीर

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

सिवान, सिवान में गोरियाकोठी थाना क्षेत्र में कथित रूप से जहरीली शराब से मौत का मामला सामने आया है. मामला छितौली गांव के मुसहर टोला का बताया जा रहा है जहां जहरीली शराब पीने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार हो गया है. पुलिस गांव में कैंप कर रही है और मामले की जांच कर रही है.ग्रामीणों के अनुसार, एक व्यक्ति को अचानक पेट में दर्द और आंखों में धुंधलापन महसूस हुआ, जिसके बाद उसे इलाज के लिए सीवान के सदर अस्पताल लाया गया. डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. वहीं, दूसरे व्यक्ति की तबीयत बिगड़ी हुई है और उसका इलाज अस्पताल में जारी है.गांव के मुखिया के अनुसार, छितौली गांव के बगल में मुसहर टोला है, जहां सैकड़ों मजदूर काम करने आते हैं. यहां पर हर घर में शराब बेची जाती है, और पुलिस भी इस क्षेत्र में कभी नहीं जाती. ग्रामीणों के अनुसार, मृतक और बीमार दोनों ने वहीं जहरीली शराब पी थी, जिसके बाद एक की मौत हो गई और दूसरे की हालत गंभीर हो गई.

सियासी गलियारे में कई तरह की चर्चा

गणतंत्र दिवस के मौके पर नीतीश ने तोड़ दी 19 साल पुरानी परंपरा

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

गणतंत्र दिवस के मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 19 साल पुरानी परंपरा को तोड़ दिया. दिलचस्प बात ये है कि इस परंपरा की शुरूआत खुद नीतीश कुमार ने की थी. गणतंत्र दिवस ही नहीं बल्कि पिछले कुछ दिनों के कई वाकयों से सियासी गलियारे में चर्चाओं का बाजार गर्म है.

नीतीश ने तोड़ी परंपरा

दरअसल 2005 में बिहार की सत्ता में आने के बाद नीतीश कुमार ने स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के मौके पर नयी परंपरा की शुरूआत की थी. दोनों मौके पर गांधी मैदान में झंडोत्तोलन के बाद मुख्यमंत्री किसी महादलित टोले में जाते थे. वहां उनकी मौजूदगी में महादलित टोले में झंडोत्तोलन होता है. 2014 में नीतीश कुमार ने जब कुछ दिनों के लिए सीएम की कुर्सी छोड़ी थी, तब भी तत्कालीन मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी महादलित टोले में गये थे. इस बार गणतंत्र दिवस के मौके पर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पटना शहर के पास ही फुलवारीशरीफ प्रखंड के महुली गांव के महादलित टोले में जाना था. सीएम के आगमन को लेकर कई दिनों से प्रशासनिक तैयारी की जा रही थी. गांव में बड़ा मंच बनाने से लेकर रोड की मरम्मति और दूसरे सारे साज सज्जा किये गये थे. लेकिन 19 साल पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए नीतीश कुमार महुली गांव के महादलित टोले में नहीं गये.

हालांकि नीतीश कुमार पटना के गांधी मैदान में हुए झंडोत्तोलन में मौजूद थे.

लेकिन गांधी मैदान से वे सीधे अपने आवास चले गये. उनके बदले बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी महुली गांव में पहुंचे. विजय चौधरी की मौजूदगी में महादलित टोले के बुजुर्ग सुभाष रविदास ने झंडोत्तोलन किया. खास बात ये भी रही कि सीएम की अनुपस्थिति में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने भी महादलित टोले में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की अनदेखी कर दी. वे भी वहां नहीं पहुंचे. जबकि सम्राट चौधरी पटना के प्रभारी मंत्री हैं.

सियासी गलियारे में कई तरह की चर्चायें

सीएम नीतीश कुमार को लेकर सियासी गलियारे में कई तरह की चर्चायें हो रही हैं. 20-21 जनवरी को पटना में देश भर के पीठासीन पदाधिकारियों का सम्मेलन हुआ था. इसमें लोकसभा के अध्यक्ष समेत सारे राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष मौजूद थे. इस सम्मेलन में नीतीश कुमार को मौजूद रहने के साथ साथ भाषण देना था. लेकिन नीतीश कुमार उस कार्यक्रम में नहीं गये. 24 फरवरी को कर्पूरी जयंती के मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पटना और समस्तीपुर दौरे पर आये थे.

प्रोटोकॉल के हिसाब से नीतीश कुमार को पटना एयरपोर्ट पर ही उप राष्ट्रपति का स्वागत करना था. लेकिन वे वहां मौजूद नहीं थे. स्व. कर्पूरी ठाकुर के गांव में आयोजित कार्यक्रम में उप राष्ट्रपति और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ नीतीश कुमार को भी मौजूद रहना था. लेकिन नीतीश कुमार मुख्य समारोह में शामिल नहीं हुए. वे अलग से स्व. कर्पूरी ठाकुर के पैतृक गांव गये और फूल-माला चढ़ा कर वापस लौट आये.